आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 87 | उज्जैन, सोमवार 17 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

चंबल नदी में छोड़ेंगे घड़ियालों को वन्य जीव पर्यटन अभियान की होगी शुरूआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुरैना में करेंगे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मुरैना प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुरैना में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य जायेंगे, जहाँ घड़ियालों को चंबल नदी में छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव करह धाम आश्रम का भ्रमण कर वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन भी करेंगे।

वन्य जीव पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार 17 फरवरी से वन्य-जीव पर्यटन को एक नया आयाम देने चंबल अभयारण्य का भ्रमण कर चंबल नदी के घड़ियाल अभयारण्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर पर्यटन सुविधाओं का जायजा लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति ने मध्यप्रदेश को कई वरदान दिए हैं। सघन वन, वृक्षों की विविधता के साथ ही वन्य-प्राणियों की भी विविधता मध्यप्रदेश में देखने को मिलती है। वनों और वन्य-प्राणियों से मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान बनी है। मध्यप्रदेश बाघ, तेंदुआ और घड़ियाल जैसे प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला प्रदेश है। चीता पुनर्स्थापन करने वाला मध्यप्रदेश एक मात्र प्रदेश है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल नदी में पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि विश्व में लगभग तीन हजार घड़ियाल हैं, तो इनमें से 85 प्रतिशत चंबल नदी में हैं। करीब चार दशक पहले घड़ियालों की गणना का कार्य शुरू हुआ, जिससे घड़ियालों के इतनी बड़ी संख्या में चंबल में होने की जानकारियां सामने आईं। जनवरी और फरवरी महीने में अनुकूल तापमान का अनुभव कर घड़ियाल पानी से बाहर निकलते हैं और उस वक्त घड़ियालों और मगरमच्छों की गिनती आसानी से हो जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य के नाम से भी जाना जाता है। पर्यटकों में यह चंबल बोट सफारी के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के संयुक्त प्रयासों से एक प्रमुख संरक्षण परियोजना है। मध्यप्रदेश में वर्ष 1978 में इसे वन्य-जीव अभयारण्य के रूप में मान्यता दी गई थी।

छात्रों को लूट कर भाग रहे निजी कोचिंग संस्थान, कांग्रेस बोली- इन पर नकेल कसे केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने देश भर में कोचिंग संस्थानों द्वारा आम आदमी-मध्यम वर्ग परिवारों का करोड़ों रूपए लेकर भागने और उनके बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने पर गंभीर चिंता जताते केंद्र सरकार से ऐसे कोचिंग संस्थानों पर नकेल कसने की मांग की है।

अभिभावकों की मेहनत की कमाई लूट रहे कोचिंग सेंटर- पार्टी ने कहा कि कोचिंग संस्थान मुनाफाखोरी कर छात्रों व उनके अभिभावकों की मेहनत की कमाई लूट रहे हैं। सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा गुणवत्ता स्तर में गिरावट को निजी कोचिंग संस्थानों के फलने-फूलने की बड़ी वजह बताते हुए पार्टी ने इन संस्थानों को मजबूत किए जाने की पैरोकारी की।

राजधानी दिल्ली सहित देश के कई शहरों में हाल के दिनों में नामी गिरामी कोचिंग संस्थान के छात्रों से लाखों की फीस लेकर अचानक सेंटर बंद कर भाग जाने की बढ़ती घटनाओं पर कांग्रेस की ओर से पार्टी कार्यसमिति के सदस्य कन्हैया कुमार ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए इस पर चिंता जताई। साथ ही कहा कि देश के युवाओं को उज्ज्वल भविष्य का सपना बेचा जा रहा है और कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आई हुई है क्योंकि सरकारी संस्थानों को कमजोर बना दिया गया है।

27 किलो सोना... 1116 किलो चांदी, 1526 एकड़ जमीन के कागजात, सरकार ने क्यों कब्जे में ली जयललिता की संपत्ति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की जब्त की गई संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया है। इन संपत्तियों में 27 किलो 558 ग्राम सोने के जेवर, 1116 किलो चांदी और 1,526 एकड़ भूमि से संबंधित दस्तावेज सहित मूल्यवान वस्तुएं शामिल हैं। इन जब्त संपत्तियों को कर्नाटक के खजाने में सुरक्षित रूप से रखा गया था।

अदालत के आदेश पर कब्जे में लिया- लंबे समय से चले आ रहे आय से अधिक संपत्ति मामले में संपत्तियों का हस्तांतरण शुक्रवार को बेंगलुरु की एक अदालत द्वारा संपत्तियों को सौंपने के आदेश के एक दिन बाद किया गया। इस दौरान अदालत और सरकारी अधिकारी मौजूद रहे। कानूनी कार्यवाही के तहत जब्त की गई वस्तुओं का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण किया गया और तस्वीरें खींची गईं। इन तस्वीरों में एक भव्य स्वर्ण की तस्वीरें भी हैं।

आभूषण और दस्तावेज सरकार को सौंपे- अधिकारियों ने इससे पहले आभूषणों के विशाल संग्रह को सूचीबद्ध किया गया था। नक्काशीदार एक तलवार भी मूल्यवान वस्तुओं में शामिल है।

लोगों की मौत की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ, भगदड़ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। ट्रेन पकड़ने के दौरान स्टेशन पर भगदड़ मच गई। हादसे में 18 लोगों की जान गई है। वहीं 12 यात्री घायल हैं। मृतकों में 14 महिला यात्री हैं। सरकार ने उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पर लिखा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

पीएम मोदी ने जताया दुख- पीएम मोदी ने भी भगदड़ पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारी भगदड़ से प्रभावित सभी लोगों को सहायता पहुंचा रहे हैं।

लोगों को सहायता पहुंचाई जा रही- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ से बहुत दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं। पूरी टीम घटना से प्रभावित सभी लोगों की सहायता करने में जुटी है।

प्रयागराज में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ रही भीड़, 17 और 18 फरवरी को इन ट्रेनों के मार्ग बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने प्रयागराज में श्रद्धालुओं के उमड़े रेला को लेकर परिचालन के मद्देनजर कई ट्रेनों को कानपुर सेंट्रल के रास्ते लखनऊ के लिए डायवर्ट किया है। प्रयागराज की ओर जाने व उधर से आने वाली अलग-अलग कई ट्रेनें 17 व 18 फरवरी को बदले मार्ग से चलेंगी।

इन ट्रेनों के बदले रूट- रेलवे जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गोरखपुर काशी एक्सप्रेस इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर के रास्ते सोमवार को चलेगी।

इसी तरह लोकमान्य तिलक टर्मिनल-बलिया भी बीना -वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी -कानपुर सेंट्रल -लखनऊ -जौनपुर -वाराणसी के रास्ते चलेगी।

सीमांचल एक्सप्रेस 17 फरवरी को कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी -गोरखपुर के रास्ते चलाई जाएगी।

दिल्ली-अलीपुरद्वार जंक्शन सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस भी कानपुर सेंट्रल -लखनऊ -बाराबंकी -गोरखपुर के रास्ते चलेगी।

बाड़मेर- गुवाहाटी एक्सप्रेस भी 17 फरवरी को कानपुर सेंट्रल -लखनऊ -बाराबंकी -गोरखपुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनल-अयोध्या कैंट ट्रेन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी -कानपुर सेंट्रल -लखनऊ -अयोध्या कैंट के रास्ते सोमवार को जाएगी।

वहीं, गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल गोरखपुर -बाराबंकी -लखनऊ -कानपुर सेंट्रल -वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी -बीना -इटारसी के रास्ते 17 को जाएगी।

महाकुंभ में यातायात और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में दें सहयोग- सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ प्रयागराज में आ रहे सभी श्रद्धालुओं से यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ आस्था का महापर्व है, जिसमें पूरे देश और दुनिया के लोग भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। ऐसे में सभी का सकारात्मक सहयोग इस आयोजन की सफलता को कई गुना बढ़ा सकता है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे अपने वाहनों को सड़कों पर खड़ा न करें, बल्कि निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें।

भाजपा को नया अध्यक्ष मिलने की बढ़ गई तारीख, कब तक मिलेगा जेपी नड्डा का विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेपी नड्डा बीते करीब 6 सालों से भाजपा के लगातार अध्यक्ष बने हुए हैं। उन्हें लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन यह फिर से टल गया है। अब कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए।

अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फ़रवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब 6 महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा।

पीएम मोदी से मिले 3 दिन भी नहीं बीते, ट्रंप ने बांग्लादेश को दे दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा के 48 घंटे के भीतर अमेरिका ने बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया है। एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने कई विदेशी परियोजनाओं को रद करने का फैसला किया है। इनमें से एक परियोजना बांग्लादेश की भी है।

अमेरिका की सरकार बांग्लादेश को 29 मिलियन अमेरिकी डॉलर की धनराशि देने वाली थी, ताकि बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत बनाया जा सके। मगर अब एलन मस्क के विभाग ने फंडिंग को रद कर दिया है।

दक्षता विभाग ने जारी की सूची- अमेरिका के सरकारी दक्षता विभाग ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पूरी सूची जारी की गई। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश को दी जाने वाली 29 मिलियन डॉलर की फंडिंग को रोक दिया गया है। हाल ही में पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बांग्लादेश के मुद्दे पर चर्चा की थी।

ट्रंप ने बांग्लादेश में अमेरिकी सरकार के शामिल होने से इनकार किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि बांग्लादेश को पीएम मोदी पर छोड़ दिया है।

फंडिंग से क्या करता था अमेरिका- अमेरिका राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने के तहत बांग्लादेश में राजनीतिक दलो में क्षमता का निर्माण, पर्टियों के बीच संबंधों को मजबूत करने और हिंसा को कम करने की फंडिंग करता है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया जाता था। कुल मिलाकर इनका राजनीतिक कौशल विकास किया जाता था।

सरकारी दक्षता विभाग ने इन कार्यक्रमों की फंडिग रोकी- मोजाम्बिक को स्वैच्छिक चिकित्सा पुरुष खतना के लिए मिलने वाले 10 मिलियन डॉलर की मदद रोकी गई।

कंबोडिया को यूसी बर्कले लिए मिलने वाली 9.7 मिलियन डॉलर की मदद रद।

कंबोडिया में स्वतंत्र आवाजों को मज़बूत करने वाली मदद पर रोक। नहीं मिलेंगे 2.3 मिलियन डॉलर।

प्राग सिविल सोसाइटी सेंटर को नहीं मिलेंगे 32 मिलियन डॉलर।

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण केंद्र से जुड़ी 40 मिलियन डॉलर की मदद रोकी।

सर्बिया को नहीं मिलेंगे 14 मिलियन डॉलर।

चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण के लिए कंसोर्टियम को 486 मिलियन डॉलर नहीं मिलेंगे।

मोल्दोवा में समावेशी और भागीदारीपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया की 22 मिलियन डॉलर की फंडिंग रोकी।

भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर पर भी रोक।

बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मज़बूत करने के लिए नहीं मिलेंगे 29 मिलियन डॉलर।

नेपाल की 20 मिलियन डॉलर की फंडिंग ठप।

नेपाल में जैव विविधता वार्तालाप के लिए 19 मिलियन डॉलर की फंडिंग नहीं।

अमेरिका में छा गईं नीता अंबानी, एजुकेशन-हेल्थकेयर सहित इन क्षेत्रों में काम के लिए गवर्नर ने दिया सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी को मैसाचुसेट्स गवर्नर के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। नीता अंबानी दशकों से स?वास?थ?य, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दों पर लोगों की भलाई के लिए काम कर रही हैं।

यह प्रशस्ति पत्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, कला, संस्कृति और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए अंबानी के आजीवन समर्पण का

सम्मान करता है। जिसने भारत और अन्य स्थानों पर लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

बोस्टन में नीता अंबानी ने पहनी साड़ी - बोस्टन में इस खास मौके पर अंबानी ने एक बार फिर भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत को दर्शाते हुए एक शानदार हाथ से बुनी शिकारगाह बनारसी साड़ी पहनी, जो भारतीय शिल्प कौशल की एक बेहतरीन कृति है, जिसमें बुनाई तकनीक और पारंपरिक कोन्या डिजाइन शामिल है।

ब्रांड इंडिया में सम्मानित - हाल ही में, नीता अंबानी को इंडिया बिजनेस लीडर अवार्ड्स के 20वें संस्करण में प्रतिष्ठित 'ब्रांड इंडिया में उत्कृष्ट योगदान' से सम्मानित किया गया। यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम ने भी अंबानी को परोपकार और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए 2023 ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया था।

जेलेंस्की का नाटो से उठा भरोसा? जर्मनी में बोले- यूरोप अपनी मजबूत सेना बनाए

यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका के रुख को देखते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सुर बदल गए हैं। जर्मनी में हो रहे सुरक्षा सम्मेलन में उन्होंने रूस से मुकाबले के लिए मजबूत यूरोपीय सेना के गठन की आवश्यकता जताई है।

यूरोपीय देशों पर भविष्य में रूसी हमले की आशंका जताई- उन्होंने कहा, यूरोप लंबे समय तक अमेरिका से सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकता है। यूरोप को अमेरिका से तभी सम्मान मिलेगा जब उसके पास भी मजबूत सेना होगी। जेलेंस्की ने यूक्रेन के बाद अन्य यूरोपीय देशों पर भविष्य में रूसी हमले की आशंका जताई है। सम्मेलन में अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और सभी जी 7 देशों के विदेश मंत्री भी भाग ले रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध को लेकर कही ये बात- जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन युद्ध को लेकर होने वाले युद्धविराम समझौते को तभी स्वीकार किया जाएगा जब वार्ता में यूक्रेन भी शामिल होगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने संभावना जताई कि द्वितीय विश्वयुद्ध की जीत की वर्षगांठ पर मास्को में होने वाली सैन्य परेड में रूस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सम्मानजनक रूप में नहीं बल्कि प्रोप (मंच के सजावटी सामान) के तौर पर इस्तेमाल के लिए आमंत्रित कर सकता है।

पाकिस्तान में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में 16 लोगों की मौत, 45 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंध के सेहवान शहर जा रही दो गाड़ियों के बीच भयानक टक्कर हो गई। इस टक्कर में कम से कम 16 यात्रियों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को लाल शाहबाज कलंदर के उर्स से पहले पाकिस्तान के सिंध में यह हादसा हुआ।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को लाल शाहबाज कलंदर के उर्स से पहले पाकिस्तान के सिंध के सेहवान शहर जा रहे वाहनों की दो दुर्घटनाओं में कम से कम 16 यात्रियों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गए।

पाकिस्तान के पंजाब में 11 यात्रियों की मौत- वहीं सिंध के शहीद बेनजीराबाद जिले के काजी अहमद शहर के पास एक वैन के ट्रेलर से टकरा जाने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, पाकिस्तान के पंजाब के बुरेवाला क्षेत्र के 11 यात्रियों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना खैरपुर जिले के रानीपुर के पास हुई। काजी अहमद स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) वसीम मिर्जा ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है और कहा कि दुर्घटना काजी अहमद के पास अमरी रोड पर हुई।

एलन मस्क ने भारत को दिया झटका, 21 मिलियन डॉलर की मदद रोकी; कांग्रेस पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत को बड़ा झटका दिया है। एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने भारत की 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग को रद कर दिया है। जो बाइडन प्रशासन ने इस फंडिंग को मंजूरी दी थी। इस फंडिंग का उद्देश्य भारत में मतदान को बढ़ाना था।

पूरे घटनाक्रम पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने भी प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने जॉर्ज सोरोस का जिक्र किया और कांग्रेस पर निशाना साधा।

भारत में मतदान बढ़ाने की खातिर अमेरिका 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग देता है। मगर डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन सरकारी खर्च को कम करने पर जुटा है। एलन मस्क का विभाग लगातार विदेशी फंडिंग को रोकने में रोक रहा है। भारत की फंडिंग इसी के तहत रोकी गई है।

भारत के अलावा कई अन्य देशों को मिलने वाली मदद भी ठप कर दी गई है। नेपाल और बांग्लादेश को भी अमेरिका ने झटका दिया है।

भाजपा ने फंडिंग रद करने के मामले में प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने इसे भारतीय चुनाव प्रक्रिया में बाहरी दखल करार दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमित मालवीय ने कहा कि मतदाताओं के लिए 21 मिलियन डॉलर? यह निश्चित तौर पर भारत की चुनावी प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप है। इससे किसे लाभ होगा? निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल को नहीं!

अमित मालवीय ने आगे कहा कि विदेशी ताकतें भारतीय संस्थानों में व्यवस्थित तरीके से घुसपैठ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि एक बार कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के जाने-माने सहयोगी जॉर्ज सोरोस की छाया हमारी चुनावी प्रक्रिया पर मंडरा रही है।

अमित मालवीय ने कहा कि 2012 में एसवाई कुरैशी के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग ने इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था।

एशिया, यूरोप और अमेरिका को लेकर क्या है ट्रंप का खास प्लान? जयशंकर ने इजरायल के विदेश मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जर्मनी में अपने इजरायली समकक्ष गिदोन सार से मुलाकात की और पश्चिम एशिया की स्थिति और एशिया, यूरोप और अमेरिका को इजरायल के माध्यम से जोड़ने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण सहित कई महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने शनिवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के इतर मुलाकात की, जो सुरक्षा-कूटनीतिक मामलों पर चर्चा के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच है। इजरायल के विदेश मंत्री कार्यालय ने कहा कि सार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इजरायल भारत के साथ अपने संबंधों को कितना रणनीतिक महत्व देता है। उन्होंने इजरायल के माध्यम से एशिया, यूरोप और अमेरिका को जोड़ने के ट्रंप के दृष्टिकोण पर चर्चा की।

अमेरिका और भारत मिलकर करेंगे काम- वाशिंगटन में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संयुक्त सम्मेलन में ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका और भारत इतिहास के सबसे महान व्यापार मार्गों में से एक के निर्माण में मदद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह भारत से इजरायल, इटली और फिर अमेरिका तक जाएगा, जो हमारे भागीदारों को बंदरगाहों, रेलवे और समुद्र के नीचे केबलों से जोड़ेगा। जयशंकर और सार ने हाउती और ईरान द्वारा व्यापार मार्गों पर हमलों से उत्पन्न चुनौतियों के बारे में भी बात की।

2 शादियां और 3 गर्लफ्रेंड... 12 बच्चों के पिता हैं एलन मस्क; मीटिंग में बेटे को क्यों ले जाते हैं टेस्ला के CEO?

टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। मगर इस बार की वजह अलग है। 14 फरवरी को सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर एश्ले सेंट ने दावा किया कि वह एलन मस्क के पांच महीने के बेटे की मां हैं। उनके इस खुलासे की चर्चा हर तरफ हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एलन मस्क ने दो शादियां की हैं। उनकी तीन गर्लफ्रेंड भी रही हैं। इनसें कुल 12 बच्चे हुए हैं। एलन मस्क अक्सर अपने बच्चों के साथ मीटिंग और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक करते भी दिखाई देते हैं। हाल ही डोनाल्ड ट्रंप के साथ एलन मस्क के बेटे का वीडियो भी खूब वायरल हुआ। पीएम मोदी के साथ बैठक में भी एलन मस्क के बच्चे मौजूद रहे। पीएम मोदी ने उन्हें गिफ्ट भी दिया।

पहली पत्नी से छह बच्चे

एलन मस्क की पहली शादी 2001 में कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन से हुई थी। वह साल 2002 में पहली बार पिता बने। एलन मस्क के पहले बेटे का नाम नेवादा अलेक्जेंडर था। मगर वह 10 हफ्ते से अधिक नहीं जी सका। जस्टिन विल्सन ने पांच और बच्चों को जन्म दिया। इन बच्चों के नाम काई, सैक्सन, डेमियन, विवियन और ग्रिफिन हैं। इनमें विवियन और ग्रिफिन जुड़वां हैं। 2008 में एलन मस्क और विल्सन ने तलाक ले लिया था।

तलाक के दो साल बाद यानी 2010 में एलन मस्क ने दूसरी शादी अभिनेत्री तलुलाह रिले से की थी। मगर यह रिश्ता सिर्फ दो साल ही चल सका। मगर एक साल बाद दोनों ने दोबारा शादी की। मगर 2016 में तलाक लेने के बाद दोनों के रास्ते अलग-अलग हो गए हैं।

रेलवे स्टेशन पर कैसे हुई भगदड़? हाई लेवल कमेटी करेगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से प्रयागराज महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से अचानक भगदड़ मच गई। इसमें 18 लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई लोग घायल हो गए। अब इस घटना की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

दो सदस्यीय समिति में पीसीसीएम, उत्तर रेलवे नरसिंह देव और पीसीएसी उत्तर रेलवे पंकज गंगवार शामिल हैं। कमेटी का गठन कल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की जांच के लिए किया गया है। कमेटी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सभी वीडियो फुटेज सुरक्षित करने का आदेश दिया है। रेल मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। एचएजी जांच शुरू हो गई है।

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने लिया घटना का जायजा- रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर घटना का जायजा लिया और मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के स्वजनों के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

घटना प्लेटफार्म नंबर 14/15 पर रात करीब साढ़े आठ बजे उस समय हुई, जब यहां प्रयागराज की ओर जाने वाली दो ट्रेनों का यात्री इंतजार कर रहे थे, लेकिन ये ट्रेनें नहीं पहुंचीं, जिससे प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ एकत्रित हो गई।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थिति नियंत्रण में है। दिल्ली पुलिस और आरपीएफ पहुंच गई। घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

सरकार पर भड़के ओवैसी, भगदड़ मामले में कर दी बड़ी मांग; कुली ने बताया- कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना पर दुख प्रकट किया। उन्होंने घटना की न्यायिक जांच की मांग की। ओवैसी ने कहा कि घटना की जांच एक स्वतंत्र न्यायिक निगरानी वाली एसआईटी से करवाई जानी चाहिए।

न्यायिक निगरानी में जांच की मांग- हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर लिखा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में मरने वालों के प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। यह एक टाली जा सकने वाली त्रासदी थी। भाजपा सरकार जो हुआ उसे छिपाने की कोशिश कर रही है।

रेलवे की विफलता की जांच हो- ओवैसी ने कहा कि छिपाने की बजाय त्रासदी की जांच के लिए एक स्वतंत्र, न्यायिक निगरानी वाली एसआईटी का गठन किया जाना चाहिए। रेलवे की प्रणालीगत विफलताओं की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि भारतीय रेलवे लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कुप्रबंधन के लायक नहीं है।

गोवा के पूर्व विधायक की मामूली बात पर हत्या, कार से टक्कर के बाद ऑटो ड्राइवर ने किए ताबड़तोड़ वार

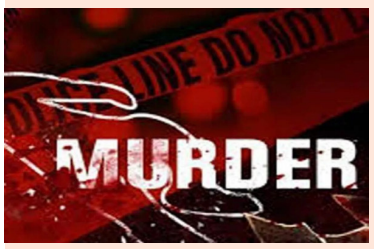

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में किसी काम के सिलसिले से पहुंचे गोवा के पूर्व विधायक की शनिवार को ऑटो चालक के कथित हमले के बाद मौद हो गई। पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

लॉज के बाहर ऑटो चालक ने किया प्रहार- जानकारी के मुताबिक, गोवा के पूर्व विधायक की कार खादेबाजार के पास एक ऑटो से टकरा गई। पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता लावू मामलातदार अपनी कार से श्रीनिवास लॉज की तरफ जा रहे थे जब यह घटना घटी थी। इसके बाद ऑटो ड्राइवर ने उनकी कार का पीछा किया और लॉज के सामने पूर्व विधायक पर हमला कर दिया।

कर्नाटक पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दुर्घटना के बाद मामलातदार और ऑटो चालक के बीच बहस हो गई थी। अधिकारी ने लॉज के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए बताया कि बहस के दौरान ऑटो चालक ने पूर्व विधायक पर एक के बाद एक कई प्रहार किए।

सीसीटीवी में दिखा खौफनाक मंजर- अधिकारी ने बताया कि, इस हमले के बाद मामलातदार एक होटल गए, जहां वह सीढ़ियों से गिर गए। जब उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, तो अस्पताल में भर्ती होने से पहले ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि, घटना का पूरा दृश्य लॉज के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

तेलंगाना के गांव ने ली आंखें दान करने की शपथ, अब तक 70 कर चुके डोनेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में नेत्रदान को लेकर हैरान करने की खबर सामने आई है। लोगों के नेत्रदान की खबरें तो आपने बहुत सुनी होगी, लेकिन क्या आपने सुना है पूरे गांव ने नेत्रदान की शपथ ले ली है। तेलंगाना के हनुमाकोंडा जिले में मुचेरला एक अलग तरह के आंकड़े के लिए जाना जाता है।

इस गांव के 500 निवासियों ने मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करने का संकल्प लिया है। पिछले कुछ सालों में, लगभग 70 ग्रामीणों ने अपनी आंखें दान की हैं। सिंचाई विभाग में एक डिवीजनल इंजीनियर और निवासी मंडला रविंदर ने इसको लेकर बताया कि उन्होंने 10 साल पहले अपनी मां की आंखें दान करने का संकल्प लेकर पहला कदम उठाया था।

जरूरतमंदों की होगी मदद और आएगा बदलाव- सिंचाई विभाग में एक ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि मृत्यु के बाद अंगों को बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। मैंने अपने अंगों को दान करने का संकल्प लिया और इससे पहले 2019 में अपने पिता के अंगों को दान किया था। मैंने दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया, उम्मीद है कि इससे जरूरतमंदों की मदद होगी और सकारात्मक बदलाव आएगा।

रविंदर से प्रेरित होकर, कई ग्रामीणों ने अपने अंग और आंखें दान करने के आंदोलन में शामिल होने की बात की है।

क्या बोले गांव वाले- एक ग्रामीण मल्ला रेड्डी ने इस घटना को लेकर कहा, अगर परिवार में कोई मौत होती है तो हम रविंदर सर को सूचित करते हैं। वे डॉक्टरों से संपर्क करते हैं, जो जरूरी इलाज करते हैं। वे हमारे भरोसेमंद व्यक्ति हैं।

गौरव गोगोई की पत्नी के पाक से रिश्तों की जांच कर सकती है SIT, सीएम हिमंत सरमा ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर हमला तेज करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि पुलिस केस दर्ज होने की संभावना है और विपक्षी नेता की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी रिश्तों की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित की जाएगी।

गोगोई ने कहा कि भाजपा कर रही बदनाम- उन्होंने कहा कि इस बात की आशंकाएं जताई जा रही हैं कि क्या आइएसआइ ने सीएमओ में घुसपैठ का प्रयास किया था, जब गोगोई के पिता राज्य का नेतृत्व कर रहे थे। वहीं, गोगोई ने कहा कि भाजपा ने उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने के लिए ये कदम उठाए हैं। उन्होंने आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और निराधार करार दिया है।

कोलबर्न शादी के बाद पाकिस्तान गई थीं- उन्होंने कहा है कि वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। सरमा ने कहा कि इस बात की पक्की जानकारी है कि कोलबर्न शादी के बाद पाकिस्तान गई थीं लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि उनके पति साथ गए थे या नहीं। विभिन्न सूचनाएं सामने आ रही हैं। कैबिनेट इस पर रविवार को चर्चा करेगी और संभवत- एसआइटी का गठन किया जाएगा।

शुरुआत में मुद्दा राजनीतिक बहस जैसा था, लेकिन जब इसमें आइएसआइ की संलिप्तता की बात आती है तो हम इसे ऐसे जाने नहीं दे सकते।

उन्होंने पाकिस्तान योजना आयोग के सलाहकार और कोलबर्न के पूर्व सहयोगी अली तौकीर शेख के एक्स पर पुराने पोस्ट के स्क्रीनशाट साझा किए और दावा किया कि गोगोई और पाकिस्तानी नागरिक के बीच संबंध गहराई से जड़ें जमाए प्रतीत होते हैं।

सरमा ने लगाए ये आरोप- सरमा ने लिखा कि एलिजाबेथ कोलबर्न ने लीड पाकिस्तान संगठन में अली तौकीर शेख के अधीन काम किया, जो जलवायु परिवर्तन पहल की आड़ में संचालित होता था। सीएम ने शेख की 2020 की एक और पोस्ट साझा की जिसमें उसने संसद में दिल्ली दंगों का मुद्दा उठाने के लिए गोगोई और अन्य की सराहना की थी।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के GM हितेश मेहता को मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार, 122 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने शनिवार को न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक हितेश मेहता को बैंक के 122 करोड़ रुपये के कथित गबन के सिलसिले में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को न्यू कोऑपरेटिव बैंक के बोर्ड को एक साल के लिए बर्खास्त कर दिया था और इसके कामकाज के प्रबंधन के लिए एक एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त कर दिया। इससे एक दिन पहले, आरबीआई ने बैंक में खाताधारकों की पैसों की चिंता का हवाला देते हुए पैसे निकालने पर रोक लगा दी थी।

आर्थिक अपराध शाखा को सौंपा गया मामला- एक अधिकारी ने बताया कि मेहता और अन्य के खिलाफ शिकायत के आधार पर पुलिस ने शनिवार तड़के मामला दर्ज किया, जिसे जांच के लिए आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया।

उन्होंने बताया कि बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने शुक्रवार को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में मेहता और अन्य के खिलाफ गबन की शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में क्या कहा गया- पुलिस अधिकारी ने कहा, शिकायत के अनुसार, मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची और बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों से 122 करोड़ रुपये का गबन किया।

उन्होंने कहा कि मामले को इसके दायरे को देखते हुए ईओडब्ल्यू को सौंप दिया गया है।

बैंक की कितनी शाखाएं- न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक की 28 शाखाएं हैं और उनमें से ज्यादातर मुंबई में स्थित हैं, जबकि दो पड़ोसी गुजरात के सूरत में और एक पुणे में है। बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई से उसके ग्राहकों में खलबली मच गई, जो शुक्रवार को सुबह से ही अपनी बचत तक पहुँचने की उम्मीद में इसकी शाखाओं में उमड़ पड़े, लेकिन उन्हें परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

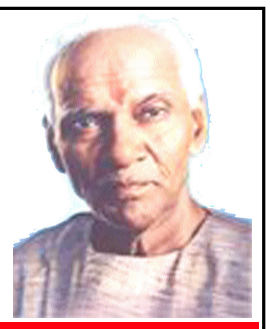

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन पंचमी

संपादकीय

कोई दो मत नहीं कि केंद्र सरकार ने इस बार आयकर सीमा में अप्रत्याशित वृद्धि की है...

आगामी वित्तवर्ष के लिए बजट में सबसे अधिक चर्चा आयकर में दी गई छूट के इर्द-गिर्द ही है। कोई दो मत नहीं कि केंद्र सरकार ने इस बार आयकर सीमा में अप्रत्याशित वृद्धि की है। इस संबंध में यह मांग अरसे से हो रही थी। यह एक दबाव भी था। मगर क्या सरकार का यह कदम आने वाले समय में आर्थिक विकास में तेजी लाएगा या इसे ऐसी आर्थिक नीति के तौर पर जाना जाएगा, जिसमें राजनीतिक दृष्टिकोण बड़ा रुख रखता था, यह अभी स्पष्ट नहीं है। प्रारंभिक तौर पर इसमें यह देखने को मिलता है कि आयकर छूट से नागरिकों के पास वित्तीय तरलता में तो बढ़ोतरी होगी और साथ इसके प्रत्यक्ष तौर पर दो फायदे भारतीय अर्थव्यवस्था में देखने को मिलेंगे।

पहला, व्यक्तियों की क्रय क्षमता बढ़ेगी और दूसरा, उनकी बचत बढ़ेगी। तीसरा । फायदा यह भी हो सकता सकता है कि कुछ व्यक्तियों को इस वित्तीय बचत से अपने ऋण के भुगतान में भी सहायता मिले, जो पिछले कुछ वर्षों से अपने पास कम वित्तीय तरलता से जूझ रहे थे। यानी संभव है कि क्रेडिट कार्ड के बकाया भुगतान या मकान बनाने के लिए उनके द्वारा लिए गए वित्तीय ऋणों की ऋणों की मासिक किस्तों के कारण आर्थिक तरलता में हुई कमी को एक सहारा मिले।

इस पक्ष पर अगर सिलसिलेवार समझने की कोशिश की जाए, तो कुछ आंकड़ों को भी साथ लेकर चलना पड़ेगा। आर्थिक सर्वेक्षण के अंतर्गत सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सामान्य विकास की दर को दस फीसद द के आसपास प्रस्तावित किया है और महंगाई को पांच फीसद से कम । कम इससे स्पष्ट है कि जीडीपी की वास्तविक विकास की दर छह से सात फीसद के बीच ही रहने की संभावना है। इसलिए मोटे तौर पर सभी को यह बात समझनी होगी कि अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास की दर को बनाए रखने के लिए क्रय क्षमता में तेजी रखना सरकार की प्राथमिकता में है। इसके साथ ही तस्वीर का दूसरा पक्ष एक अलग असलियत को रखता है और वह यह बताता है कि भारत में से

आयकर देने वालों की संख्या मात्र आठ करोड़ के आसपास है, जो आबादी का मात्र का मात्र पांच फीसद है। इससे पहले आयकर सीमा सात लाख रुपए थी, जिसे सरकार ने इस बार बजट में बढ़ा कर बारह लाख रुपए कर दिया, लेकिन इस आयकर सीमा के अंतर्गत आने वाले करदाता तीन करोड़ या उससे कम ही हैं। यानी तीन करोड़ करदाता जो औसतन 15 करोड़ जनसंख्या का ही प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्हें ही इस कर मुक्त सीमा का फायदा मिलेगा। तो क्या 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले मुल्क में आर्थिक विकास की जिम्मेदारी चाहे क्रय क्षमता बढ़ाने के संदर्भ में हो या आर्थिक बचत के हिसाब से, मुल्क के इस छोटे से तबके पर ध्यान देना तर्कसंगत है? जबकि भारत जीडीपी के हिसाब से चाहे विश्व में पांचवीं अर्थव्यवस्था का मुकाम रखता है, पर प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से विश्व में बहुत पीछे है।

आयकर सीमा में बढ़ोतरी का प्रावधान वित्तवर्ष 2025- 26 अप्रैल से लागू होगा। अब इस संदर्भ में यह बात भी समझनी होगी कि आगामी वित्तवर्ष की पहली दो तिमाहियों तक इस प्रावधान के सकारात्मक असर देखने को नहीं मिलेंगे। क्योंकि दिवाली तीसरी तिमाही में आती है और भारत में क्रय क्षमता का असली शक्ति प्रदर्शन उसी दौरान होता है। इस बजट के बाद से एक और चर्चा बहुत आम रही है कि आयकर की इस सीमा में बड़ी वृद्धि को मध्यवर्गीय व्यक्ति और उसके परिवार से प्रत्यक्ष तौर पर जोड़ दिया गया है, जो कि उचित नहीं है।

भारत में मध्यवर्गीय व्यक्ति आबादी के करीबन 60 फीसद से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि आयकर सीमा में बढ़ोतरी का फायदा मात्र तीन करोड़ परिवारों को होने वाला है, जो कुल जनसंख्या दस फीसद हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

वासुदेव बलवन्त फड़के

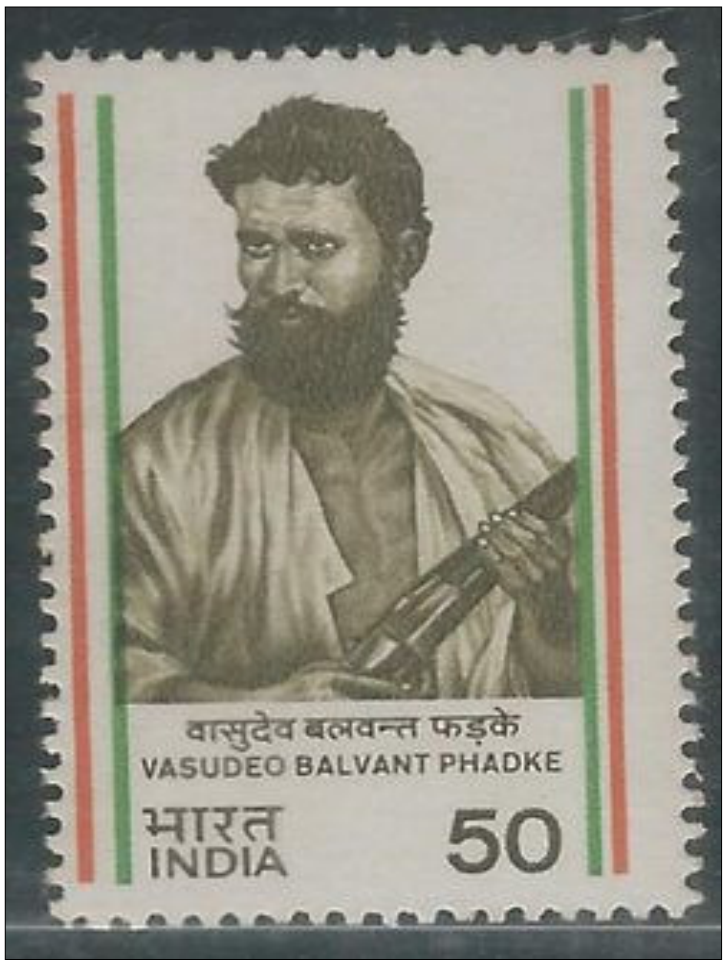

वासुदेव बलवन्त फड़के ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का संगठन करने वाले भारत के प्रथम क्रान्तिकारी थे। वासुदेव बलवन्त फड़के का जन्म महाराष्ट्र के रायगड ज़िले के शिरढोणे नामक गांव में हुआ था। फड़के ने 1857 ई. की प्रथम संगठित महाक्रांति की विफलता के बाद आज़ादी के महासमर की पहली चिंनगारी जलायी थी। देश के लिए अपनी सेवाएँ देते हुए 1879 ई. में फड़के अंग्रेज़ों द्वारा पकड़ लिये गए और आजन्म कारावास की सज़ा देकर इन्हें अदन भेज दिया गया। यहाँ पर फड़के को कड़ी शारीरिक यातनाएँ दी गई। इसी के फलस्वरूप 1883 ई. को इनकी मृत्यु हो गई।

परिचय

वासुदेव बलवन्त फड़के बड़े तेजस्वी और स्वस्थ शरीर के बालक थे। उन्हें वनों और पर्वतों में घूमने का बड़ा शौक़ था। कल्याण और पूना में उनकी शिक्षा हुई। फड़के के पिता चाहते थे कि वह एक व्यापारी की दुकान पर दस रुपए मासिक वेतन की नौकरी कर लें और पढ़ाई छोड़ दें। लेकिन फड़के ने यह बात नहीं मानी और मुम्बई आ गए। वहाँ पर जी.आर.पी. में बीस रुपए मासिक की नौकरी करते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखी। 28 वर्ष की आयु में फड़के की पहली पत्नी का निधन हो जाने के कारण इनका दूसरा विवाह किया गया।

व्यावसायिक जीवन

विद्यार्थी जीवन में ही वासुदेव बलवन्त फड़के 1857 ई. की विफल क्रान्ति के समाचारों से परिचित हो चुके थे। शिक्षा पूरी करके फड़के ने ग्रेट इंडियन पेनिंसुला रेलवे और मिलिट्री फ़ाइनेंस डिपार्टमेंट, पूना में नौकरी की। उन्होंने जंगल में एक व्यायामशाला बनाई, जहाँ ज्योतिबा फुले भी उनके साथी थे। यहाँ लोगों को शस्त्र चलाने का भी अभ्यास कराया जाता था। लोकमान्य तिलक ने भी वहाँ शस्त्र चलाना सीखा था।

गोविन्द रानाडे का प्रभाव

1857 की क्रान्ति के दमन के बाद देश में धीरे-धीरे नई जागृति आई और विभिन्न क्षेत्रों में संगठन बनने लगे। इन्हीं में एक संस्था पूना की सार्वजनिक सभा थी। इस सभा के तत्वावधान में हुई एक मीटिंग में 1870 ई. में महादेव गोविन्द रानाडे ने एक भाषण दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अंग्रेज़ किस प्रकार भारत की आर्थिक लूट कर रहे हैं। इसका फड़के पर बड़ा प्रभाव पड़ा। वे नौकरी करते हुए भी छुट्टी के दिनों में गांव-गांव घूमकर लोगों में इस लूट के विरोध में प्रचार करते रहे।

माता की मृत्यु

1871 ई. में एक दिन सायंकाल वासुदेव बलवन्त फड़के कुछ गंभीर विचार में बैठे थे। तभी उनकी माताजी की तीव्र अस्वस्थता का तार उनको मिला। इसमें लिखा था कि वासु (वासुदेव बलवन्त फड़के) तुम शीघ्र ही घर आ जाओ, नहीं तो माँ के दर्शन भी शायद न हो सकेंगे। इस वेदनापूर्ण तार को पढ़कर अतीत की स्मृतियाँ फड़के के मानस पटल पर आ गयीं और तार लेकर वे अंग्रेज़ अधिकारी के पास अवकाश का प्रार्थना-पत्र देने के लिए गए। किन्तु अंग्रेज़ तो भारतीयों को अपमानित करने के लिए सतत प्रयासरत रहते थे। उस

अधिकारी ने अवकाश नहीं दिया, लेकिन वासुदेव बलवन्त फड़के दूसरे दिन अपने गांव चले आए। गांव आने पर वासुदेव पर वज्राघात हुआ। जब उन्होंने देखा कि उनका मुंह देखे बिना ही तड़पते हुए उनकी ममतामयी माँ चल बसी हैं। उन्होंने पांव छूकर रोते हुए माता से क्षमा मांगी, किन्तु अंग्रेज़ी शासन के दुव्यर्वहार से उनका हृदय द्रवित हो उठा।

सेना का संगठन

इस घटना के वासुदेव फड़के ने नौकरी छोड़ दी और विदेशियों के विरुद्ध क्रान्ति की तैयारी करने लगे। उन्हें देशी नरेशों से कोई सहायता नहीं मिली तो फड़के ने शिवाजी का मार्ग अपनाकर आदिवासियों की सेना संगठित करने की कोशिश प्रारम्भ कर दी। उन्होंने फ़रवरी 1879 में अंग्रेज़ों के विरुद्ध विद्रोह की घोषणा कर दी। धन-संग्रह के लिए धनिकों के यहाँ डाके भी डाले। उन्होंने पूरे महाराष्ट्र में घूम-घूमकर नवयुवकों से विचार-विमर्श किया, और उन्हें संगठित करने का प्रयास किया। किन्तु उन्हें नवयुवकों के व्यवहार से आशा की कोई किरण नहीं दिखायी पड़ी। कुछ दिनों बाद गोविन्द राव दावरे तथा कुछ अन्य युवक उनके साथ खड़े हो गए। फिर भी कोई शक्तिशाली संगठन खड़ा होता नहीं दिखायी दिया। तब उन्होंने वनवासी जातियों की ओर नजर उठायी और सोचा आखिर भगवान श्रीराम ने भी तो वानरों और वनवासी समूहों को संगठित करके लंका पर विजय पायी थी। महाराणा प्रताप ने भी इन्हीं वनवासियों को ही संगठित करके अकबर को नाकों चने चबवा दिए थे। शिवाजी ने भी इन्हीं वनवासियों को स्वाभिमान की प्रेरणा देकर औरंगज़ेब को हिला दिया था।

ईनाम की घोषणा

महाराष्ट्र के सात ज़िलों में वासुदेव फड़के की सेना का ज़बर्दस्त प्रभाव फैल चुका था। अंग्रेज़ अफ़सर डर गए थे। इस कारण एक दिन मंत्रणा करने के लिए विश्राम बाग़ में इकट्ठा थे। वहाँ पर एक सरकारी भवन में बैठक चल रही थी। 13 मई, 1879 को रात 12 बजे वासुदेव बलवन्त फड़के अपने साथियों सहित वहाँ आ गए। अंग्रेज़ अफ़सरों को मारा तथा भवन को आग लगा दी। उसके बाद अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें ज़िन्दा या मुर्दा पकड़ने पर पचास हज़ार रुपए का इनाम घोषित किया। किन्तु दूसरे ही दिन मुम्बई नगर में वासुदेव के हस्ताक्षर से इश्तहार लगा दिए गए कि जो अंग्रेज़ अफ़सर रिचर्ड का सिर काटकर लाएगा, उसे 75 हज़ार रुपए का इनाम दिया जाएगा। अंग्रेज़ अफ़सर इससे और भी बौखला गए।

गिरफ़्तारी

1857 ई. में अंग्रेज़ों की सहायता करके जागीर पाने वाले बड़ौदा के गायकवाड़ के दीवान के पुत्र के घर पर हो रहे विवाह के उत्सव पर फड़के के साथी दौलतराम नाइक ने पचास हज़ार रुपयों का सामान लूट लिया। इस पर अंग्रेज़ सरकार फड़के के पीछे पड़ गई। वे बीमारी की हालत में एक मन्दिर में विश्राम कर रहे थे, तभी 20 जुलाई, 1879 को गिरफ़्तार कर लिये गए। राजद्रोह का मुकदमा चला और आजन्म कालापानी की सज़ा देकर फड़के को अदन भेज दिया गया।

7 कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका, लिस्ट में 2 नए आईपीओ भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हफ्ते जहां एक तरफ 2 कंपनियों के आईपीओ खुलने जा रहे हैं। वहीं, कई अन्य कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका निवेशकों मिलेगा। ये वो आईपीओ हैं जो पिछले हफ्ते ही ओपन हो गए थे। आइए डालते हैं एक नजर -

1- एचपी टेलीकॉम इंडिया आईपीओ- यह आईपीओ 20 फरवरी को खुल जाएगा। कंपनी का आईपीओ 24 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 108 प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ का साइज 34.23 करोड़ रुपये का है।

2- बिजासन एक्सप्लोटेक आईपीओ- आईपीओ 21 फरवरी से 25 फरवरी तक ओपन रहेगा। आईपीओ का साइज 59.93 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 34.25 लाख शेयर जारी करेगी। बता दें, इस आईपीओ का प्राइस बैंड 165 रुपये से 175 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

कंपनी का आईपीओ 14 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 858 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। यह इश्यू ऑफर फार सेल और फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ का प्राइस बैंड 401 रुपये से 425 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

4- एल के मेहता पॉलीमर्स आईपीओ- कंपनी का आईपीओ 13 फरवरी से 17 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 71 रुपये का प्राइस बैंड सेट तय किया है। आईपीओ का साइज 7.38 करोड़ रुपये का है।

5- शनमुगा हॉस्पिटल आईपीओ- 13 फरवरी को ही यह आईपीओ खुल गया था। निवेशकों के पास 17 फरवरी यानी कल तक दांव लगाने का मौका है। आईपीओ के लिए कंपनी ने 54 रुपये प्राइस बैंड सेट किया है।

कंपनी का आईपीओ 14 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी की आईपीओ के जरिए 36 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश है। इस एसएमई आईपीओ का प्राइस बैंड 114 रुपये से 120 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

7- तेजस कार्गो आईपीओ- यह आईपीओ 14 फरवरी से 18 फरवरी तक ओपन है।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2 या दो से अधिक बार बोनस शेयर देने वाली कंपनियो की लिस्ट में कोठारी प्रोडक्ट्स लिमिटेड का नाम भी शामिल होने जा रहा है। कंपनी एक शेयर पर 1 शेयर पर बोनस दे रही है। बता दें, कोठारी प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों का भाव 200 रुपये से कम का है। कोठारी प्रोडक्ट्स ने दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दे रही है। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 18 फरवरी की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी रिकॉर्ड डेट पर जिस निवेशक के पास कंपनी के शेयर रहेंगे उन्हें एक शेयर फ्री मिलेगा। बीएसई के डाटा के अनुसार पहली बार कंपनी 2014 में एक्स बोनस ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड दिया था। वहीं, दूसरी बार कंपनी 2016 में एक्स-बोनस ट्रेड की थी। तब कंपनी 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। कोठारी प्रोडक्ट्स ने आखिरी बार निवेशकों को 2019 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी की तरफ से एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया गया था। उससे पहले कंपनी ने लगातार निवेशकों को डिविडेंड दिया था। शुक्रवार को कोठारी प्रोडक्ट्स के शेयरों का भाव 1.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 176.80 रुपये के लेवल पर था। पिछले एक साल में कोठारी प्रोडक्ट्स के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत की तेजी आई है।

डिफेंस सेक्टर के लिए ड्रोन बनाने वाली कंपनी ने किया इन 2 कंपनियों में इंवेस्टमेंट, सोमवार को शेयरों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस ट्रेनिंग सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजी ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया। कंपनी ने बताया कि वेक्टर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड और भैरव रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड में रणनितिक निवेश करेगी। इस निवेश के जरिए जेन टेक्नोलॉजी को इंवोवेशन, इंडिजिनयस डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और रोबोटिक्स में टेक्नोलॉजीकल एडंवास में मदद मिलेगी। इस एग्रीमेंट के तहत जेन टेक्नोलॉजी में वेक्टर टेक्निक प्राइवेट लिमिटेड में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी को होल्ड करेगा। विक्टर टेक्निक ड्रोन और यूएवी के लिए प्रोपल्सन और पावर डिस्ट्रीब्यूशन का काम सर्विसेज देती है। इस अधिग्रहण के जरिए जेन एयरोस्पेस कंपोनेंट बनाने में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी। भैरव रोबोटिक्स प्राइवेट में जेन टेक्नोलॉजी 45.33 प्रतिशत हिस्सेदारी को खरीदा है। कंपनी इस निवेश के जरिए डिफेंस रोबोटिक्स और ऑटोनॉमस सिस्टम सेगमेंट में अपनी पकड़ा मजबूत करेगी। शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा? - शुक्रवार को कंपनी के शेयर 7 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1349.15 रुपये के लेवल पर था। पिछले 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। वहीं, 1 साल में जेन टेक्नोलॉजी के शेयरों की कीमतों में 63 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कंपनी का 52 वीक हाई 2637.95 रुपये और 52 वीक लो लेवल 795.10 रुपये है। बता दें, 2 साल में जेन टेक्नोलॉजी के शेयरों की कीमतों में 500 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में कंपनी निवेशकों को 2300 प्रतिशत से अधि का रिटर्न देने में सफल रही है। कंपनी पिछले साल सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड मिला था।

5 टुकड़ों में बंटने जा रहा है शेयर, रिकॉर्ड डेट 20 फरवरी से पहले

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में इस हफ्ते 2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा भी होने जा रहा है। इन दो कंपनियों की लिस्ट में कैपिटल इंडिया फाइनेंस लिमिटेड भी एक है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जाएगा। एक्सचेंज को दी जानकारी में कैपिटल इंडिया फाइनेंस लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। शेयरों के बंटवारे के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने 17 फरवरी की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। अगर आप इस स्टॉक स्प्लिट का फायदा उठाना चाहते हैं तो कंपनी के शेयर एक दिन पहले खरीदने होंगे। 2021 से कंपनी ने लगातार निवेशकों को डिविडेंड दिया है। हर बार कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 10 पैसे का डिविडेंड निवेशकों को दिया गया है। बीएसई में कंपनी के शेयर शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर 5.37 प्रतिशत की गिरावट के बाद 164.80 रुपये के लेवल पर थे। पिछले 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। वहीं, 6 महीने से कंपनी के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 40 प्रतिशत से अधिक का फायदा हुआ है।

नहीं थम रही है बिकवाली, FPI ने फरवरी के महीने में शेयर मार्केट से निकाले 21,272 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला जारी है। अमेरिका द्वारा आयात पर शुल्क लगाए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के बीच फरवरी के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से 21,272 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में भी एफपीआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस तरह चालू साल में एफपीआई शेयरों से करीब एक लाख करोड़ रुपये (99,299 करोड़ रुपये) निकाल चुके हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार का मानना ??है कि जब डॉलर सूचकांक नीचे जाएगा, तो एफपीआई की रणनीति में उलटफेर होगा। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (14 फरवरी तक) अबतक 21,272 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर नए शुल्क लगाए जाने तथा कई देशों पर ऊंचा शुल्क लगाने की योजना की घोषणा जाने से बाजार की चिंताएं बढ़ गई हैं।

श्रीवास्तव ने कहा कि इन घटनाक्रमों ने संभावित वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंकाओं को फिर से जगा दिया है, जिससे एफपीआई को भारत सहित उभरते बाजारों में अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है। वॉटरफील्ड एडवाइजर्स के वरिष्ठ निदेशक (सूचीबद्ध निवेश) विपुल भोवर ने कहा, ''वैश्विक विशेष रूप से अमेरिकी नीतियों में बदलाव एफपीआई के बीच अनिश्चितता की धारणा पैदा कर रहे हैं।

8 दिन में 2600 अंक लुढ़का सेंसेक्स, अब आगे कैसा रहेगा प्रदर्शन? इस बात पर निर्भर रहेगी राह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कंपनियों का तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी। एक्सपर्ट्स ने यह राय जताई है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि स्वदेशी की लगातार निकासी, कंपनियो के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों और वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की आशंका से पिछले सप्ताह शेयर बाजारों की धारणा प्रभावित हुई। शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिसर्च हेड, सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने के साथ अब बाजार की निगाह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों की वजह से पैदा हुए हालात और वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगी।''

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सोशल मीडिया अकाउंट पर फॉलो करने रुपये का लालच देकर थमाए चिल्ड्रन बैंक के नोट

खंडवा। सोशल मीडिया अकाउंट फालो करने के लिए एक युवक ने 12 वर्षीय बालक को रुपयों का लालच दिया। अकाउंट फॉलो करने पर युवक ने बालक को 2500 रुपये के 500 के नोट चिल्ड्रन बैंक के नोट थमा दिए। उस समय बालक समझ नहीं पाया कि ये चिल्ड्रन बैंक के नोट है। अगले दिन युवक आया और कहा कि अकाउंट फोला नहीं किया अब मुझे रुपये वापस चाहिए।

रुपये की मांग कर युवक बालक को धमकाने लगा।इस पर बालक डर गया और घर से चार हजार रुपये के असली नोट चुराकर उसमें से 2500 रुपये युवक को दे दिए। जब घर पर पता चला कि घर से चार हजार रुपये गायब है तो परिवार वालों ने बालक से पूछा। इस पर बालक ने पूरी बात बताई।इसके बाद परिवार वाले युवक को समझाने गए तो युवक ने उन्हें भी डराने की कोशिश की।

इस पर परिवार शिकायत लेकर थाने पहुंचा। जिसके बाद पुलिस ने मामले में आरोपित युवक के खिलाफ धारा 151 के तहत केस दर्ज कर उसपर कार्रवाई की।

पीड़ित परिवार ने बताया कि दो दिन पहले रघुनाथपुरम कॉलोनी के पास तुलसी स्टेट में रहने वाला सोनू नाम का युवक हमारे बालक से मिला था। उसने बालक को सोशल मीडिया अकाउंट फालो करने के लिए रुपये का लालच दिया और नकली नोट थमा दिए। बाद में असली नोट वापस मांगे उसे समझाने गए तो हमं धमकाने लगा।

रीवा-प्रयागराज के बीच फिर उमड़े श्रद्धालु, रुक-रुककर चले वाहन

रीवा। मध्य प्रदेश से प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह रविवार को भी थमता नहीं दिखा। रीवा और प्रयागराज की सीमा को जोड़ने वाले मार्ग पर शाम करीब चार बजे के बाद अचानक से श्रद्धालुओं के वाहनों की संख्या बढ़ने लगी है। चाकघाट पर जाम के हालात बनने से रोकने के लिए पुलिस ने बेला, रायपुर कुर्चलियान, गंगोई, झिरियाटोला के साथ जोगनहाई टोलप्लाजा तक वाहनों को करीब आधे-आधे घंटे के लिए रोकना शुरू कर दिया है। इससे एक से दो किलोमीटर के हिस्से में जाम लगा रहा।नेशनल हाइवे-30 से वाहनों को रीवा शहर से डायवर्ट कर दिए जाने के कारण शहरी सीमा में जाम की स्थिति बन गई। वाहनों के पहिए रेंग-रेंग कर चले।

रविवार सुबह तक ही करीब पांच हजार वाहन रीवा से प्रयागराज की तरफ निकाले गए। पूरे दिन यही सिलसिला चलता रहा।ट्रैफिक बढ़ने से गंगेव और चाकघाट में जाम की स्थिति निर्मित हो रही है।रीवा के आइजी साकेत पांडे के मुताबिक, शनिवार रात से ही फिर महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, छग आदि राज्यों से आए श्रद्धालुओं के कारण रीवा के चोरहटा बाइपास से ही जाम की स्थिति निर्मित होने लगी।

वीकेंड होने के कारण नेशनल हाइवे-30 पर वाहनों की संख्या बढ़ी है।वाहनों की गति में ब्रेक लगा है और धीरे-धीरे ट्रैफिक साफ हो रहा है।कुछ जगह धीमी गति से प्रयागराज की ओर रवाना हो रहे हैं।वहीं, जबलपुर संभाग में कहीं भी वाहन नहीं रोके जा रहे हैं।दो विशेष ट्रेनों से 12 हजार श्रद्धालुओं को रवाना किया दिल्ली रेलवे स्टेशन में भगदड़ के बाद रेलवे ने रीवा से चलने वाली तीन ट्रेनों को निरस्त कर दिया है।

इससे स्टेशन पर श्रद्धालु फंसे रहे। सतना स्टेशन पर शनिवार की शाम को श्रद्धालुओं की संख्या अधिक हो जाने से रात 11 बजे मेला स्पेशल से छह हजार अतिरिक्त यात्रियों को प्रयागराज के लिए रवाना किया गया।

एसडीओ ने किसान को कार की डिग्गी में ठूंसा, धक्का-मुक्की कर कहा-ऐसी तैसी कर दूंगा

सिवनी। सिवनी जिले में जल संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से किसानों के साथ की गई अभद्रता का मामला सामने आया है। केवलारी क्षेत्र की तिलवारा दाई तट नहर के एसडीओ श्रीराम बघेल का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे किसानों के साथ अमर्यादित व्यवहार करते नजर आ रहे हैं और उसे कार की डिक्की में जबरन बैठा रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया है।

मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस वीडियो को शेयर कर सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वरिष्ट कांग्रेस नेता व पूर्व सीएम कमल नाथ ने एक्स में लिखा है कि मध्य प्रदेश का प्रशासन दिन पर दिन किसान विरोधी और संवेदनहीन होता जा रहा है।

घटना केवलारी नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 9 मलारी की है। एसडीओ बघेल नहर का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

स्थानीय किसानों ने जब उनके समक्ष सिंचाई की समस्या रखी, तो एसडीओ का व्यवहार आक्रामक हो गया।वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एसडीओ किसानों से धक्का-मुक्की कर रहे हैं।

वो एक किसान को जबरन अपनी गाड़ी की डिक्की में बंद करने का प्रयास भी कर रहे हैं।

वीडियो में एक किसान हाथ जोड़कर विनती करता दिख रहा है, लेकिन एसडीओ अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उसकी एक नहीं सुन रहे हैं।

यह घटना क्षेत्र के किसानों में आक्रोश का कारण बन गई है।क्षेत्र में पहले से ही सिंचाई जल की गंभीर समस्या से जूझ रहे किसानों के साथ एक सरकारी अधिकारी का यह व्यवहार प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

वीडियो सामने आने के बाद रविवार को जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा ने उपयंत्री प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी भीमगढ़ दाई तट नहर उपसंभाग कमांक-3 कान्हीवाड़ा जिला सिवनी और प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी, भीमगढ़ दांयी तट नहर उपसंभाग क्रमांक-5 केवलारी जिला सिवनी श्रीराम बघेल को निलंबित कर दिया है।

इस धारा में की कार्रवाई

निलंबन पत्र में उल्लेख किया गया है कि श्रीराम बघेल ने अपने पदीय कर्तव्यों- दायित्वों का निर्वहन नहीं किए जाने के फलस्वरूप मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, नर्मदापुरम में संबद्ध किया जाता है।

एसडीओ और एक अन्य पर दर्ज हुई एफआईआर

किसानों से अभद्रता संबंधित वीडियो का मामला तूल पकड़ने के बाद रविवार शाम केवलारी पुलिस थाना में किसान की शिकायत पर पुलिस ने जल संसाधन विभाग के एसडीओ श्रीराम बघेल व एक अन्य व्यक्ति पर मारपीट, अवरोध तथा गाली-गलौच करने संबंधी धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी ब्रजेश सिंह उइके ने बताया कि मरकावाड़ा निवासी रामदास पुत्र अजनलाल चौरसिया की शिकायत पर पुलिस ने सिंचाई विभाग केवलारी के सहायक यंत्री श्रीराम बघेल तथा एक अन्य व्यक्ति विधान बघेल पर बीएनएस की धारा 296, 126 (2), 115 (2) एवं 3, 5 का प्रकरण दर्ज किया है।

मध्य प्रदेश के तीन प्राइवेट स्कूलों को पैरेंट्स को लौटाने होंगे फीस के 9.81 करोड़ रुपये

जबलपुर। निजी स्कूलों की मनमानी फीस वसूली के विरुद्ध जिला प्रशासन की कार्रवाई जारी है। जिला समिति ने शहर के तीन और निजी स्कूलों द्वारा अवैधानिक रूप से बढ़ाई गई फीस अमान्य कर दी है। साथ ही 20 हजार विद्यार्थियों से फीस के रूप में वसूले 9.81 करोड़ रुपये वापस करने के निर्देश दिए हैं।

इन निजी स्कूलों के प्रबंधन पर मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं 2020 के प्रविधानों का उल्लंघन करने के कारण दो-दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला समिति के सदस्य सचिव व जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने स्कूलों के प्रबंधन को अवैधानिक रूप से बढ़ाई गई फीस की राशि 30 दिन के भीतर अभिभावकों को उसी रीति से वापस करने कहा है, जिस रीति से फीस प्राप्त की गई थी।

जांच में सामने आई मनमानीमप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 के तहत कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में गठित जिला समिति ने स्कूलों की जांच कराई। इसमें सामने आया कि आनंद कॉलोनी बल्देवबाग स्थित स्टेमफील्ड स्कूल, रायन इंटरनेशनल स्कूल और सिहोरा स्थित मारथोमा गर्ल्स सीनियर सेकंडरी स्कूल प्रबंधन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018-19 से लेकर 2024-25 तक 20 हजार 569 विद्यार्थियों से नौ करोड़ 81 लाख रुपये फीस के रूप में अवैध रूप से वसूले गए।समिति ने शनिवार को आदेश जारी कर अमान्य तरीके से वसूली फीस 30 दिन में वापस करने के साथ ही जुर्माना राशि लोक शिक्षण मप्र के बैंक खाते में जमा कराते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पावती पेश करने निर्देशित किया है।अब तक 35 स्कूलों से 274 करोड़ की वापसी के हो चुके हैं निर्देश

अभिभावकों की शिकायत पर पहली बार जबलपुर में निजी स्कूलों की मनमानी के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर दीपक सक्सेना के मार्गदर्शन में अब तक शहर के 35 नामी सीबीएसई और एमपी बोर्ड से संबद्ध निजी स्कूल संचालकों पर मनमाने ढंग से लिए गए शिक्षण शुल्क पर जांच बैठाई गई, बल्कि कुछ नामी स्कूल संचालकों को जेल भी भिजवाया गया।

निवेशक महाकुंभ में होगा देश-विदेश से आए उद्यमियों का समागम

इंदौर। भारत का हृदय मध्यप्रदेश, समृद्ध अर्थव्यवस्था, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, राज्य सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों और विशेष प्रोत्साहन योजनाओं के साथ निवेश के असीमित अवसरों की उपलब्धता से देश-विदेश के उद्यमियों के लिए निवेश का प्रमुख स्थल बन गया है। देश-विदेश के उद्यमियों को निवेश के अवसरों से रूबरू कराने के उद्देश्य से राजधानी भोपाल में दो दिवसीय जीआईएस-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस %महाकुंभ% में दुनिया भर से आने वाले निवेशकों का समागम होगा।

व्यापार और उद्योग अनुकूल माहौल बनाने के लिये प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश सभी उद्यमियों के लिए निवेश के अपार अवसर और उसके बाद दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पित है। मध्यप्रदेश पर्यटन, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, खनन, डेयरी और खाद्य प्र-संस्करण जैसे क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

बेहतर कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास की असीमित संभावनाएं- मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट प्रिपेअर्डनेस इंडेक्स में देश के शीर्ष-10 राज्यों में और विश्व बैंक द्वारा आयोजित ईज़-ऑफ-डूइंग बिज़नेस में चौथे स्थान पर है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आने से मध्यप्रदेश में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास के असीम अवसर उपलब्ध हैं। मजबूत रेल और सड़क नेटवर्क के अलावा राज्य में 6 व्यावसायिक एयरपोर्ट हैं, जहां से 100 से अधिक उड़ानें संचालित होती हैं। इससे यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन सुगम हुआ है।

खनिज संसाधन और औद्योगिक समृद्धि- मध्यप्रदेश में कोयला, हीरा, तांबा, लौह अयस्क और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों का भण्डार है। प्रदेश तांबा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम और हीरे का देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। राज्य सरकार कृषि और खाद्य प्र-संस्करण, आईटी, आईटीईएस, पर्यटन, वस्त्र उद्योग, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, दवाइयां एवं फार्मास्युटिकल्स और रक्षा एवं एयरोस्पेस सेक्टर पर प्रमुखता से ध्यान दे रही है। राज्य में 8 फूड पार्क, लगभग 15 मिलियन मीट्रिक टन की वेयरहाउसिंग क्षमता और 3 लाख 54 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र कवर करने वाले कोल्ड-स्टोरेज के साथ मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए एक आकर्षक निवेश स्थल बनता जा रहा है।

शिक्षा, पर्यटन और हरित क्षेत्र में अग्रणी- मध्यप्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यहां देश भर के सबसे बड़े क्षेत्र में जैविक खेती की जाती है। भारत के कुल जैविक उत्पादन का 27त्न मध्यप्रदेश में होता है। भारत के सबसे स्वच्छ राज्य मध्यप्रदेश का इंदौर शहर लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है और भोपाल स्वच्छतम राजधानी। राज्य की बड़ी जनसंख्या इसे विशाल उपभोक्ता बाजार भी बनाती है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर- मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 1.25 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की औद्योगिक भूमि-बैंक है। इसमें से 19,011 हेक्टेयर क्षेत्र उद्योगों के लिए पहले ही विकसित किए जा चुके हैं। राज्य में 76 विकसित, 19 विकासाधीन और 13 प्रस्तावित भूमि-बैंक हैं, जो 5 ग्रोथ सेंटर्स में फैले 79 भूखंडों में वितरित हैं। राज्य में 6 प्रमुख ड्राई इनलैंड कंटेनर डिपो हैं, इनकी वेयरहाउसिंग क्षमता 240 लाख मीट्रिक टन है। मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस राज्य है, जहां 31 गीगावाट विद्युत का उत्पादन होता है, जिसमें 20 प्रतिशत क्लीन एनर्जी है। मध्यप्रदेश किसी भी औद्योगिक क्षेत्र की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति करने में सक्षम है।

सड़क नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स- मध्यप्रदेश ने अपने सड़क नेटवर्क के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। राज्य में 5 लाख किलोमीटर से अधिक लंबाई का सड़क नेटवर्क है, जिसमें 46 राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। यह देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का 6.6त्न और राज्य-राजमार्गों का लगभग 6.4त्न है। राज्य में प्रतिदिन 550 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है। इसके साथ ही 2,32,344 किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों के साथ, मध्यप्रदेश 5वां सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क वाला राज्य है।

राज्य में अटल प्रोग्रेस-वे और नर्मदा एक्सप्रेस-वे के साथ ही दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, पीथमपुर-धार-महू, रतलाम-नागदा, शाजापुर-देवास, और नीमच-नयागांव जैसे औद्योगिक एवं निवेश क्षेत्रों का निर्माण किया गया है। औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश में 4 निवेश गलियारों का विकास किया जा रहा है। इनमें भोपाल-इंदौर, भोपाल-बीना, जबलपुर-कटनी-सतना-सिंगरौली और मुरैना-ग्वालियर-शिवपुरी-गुना शामिल हैं।

मध्यप्रदेश ईज़-ऑफ-डूइंग बिजनेस रैंकिंग में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। यहां व्यापार संचालन और निवेश के लिये माहौल को अत्यधिक अनुकूल बनाया गया है।

इसके साथ ही नियामकीय प्रक्रियाओं को अत्यंत सरल किया गया है। इससे आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रदेश में किये गए मुख्य सुधारों में ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग और अनुमति स्वीकृति जैसी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और इन्वेस्ट मध्यप्रदेश विंडो प्रमुख हैं। इन्वेस्ट पोर्टल को नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

प्रमुख सेक्टर्स और उद्योग प्रोत्साहनकारी नीतियां- राज्य में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए आकर्षक नीतियां बनाई गई हैं। इनमें संयंत्र और मशीनरी में निवेश पर 40% तक इन्वेस्टमेंट प्रोत्साहन सहायता, रोजगार सृजन पर 1.5 गुना पूंजी सब्सिडी, निर्यात पर 1.2 गुना पूंजी सब्सिडी और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए 1.2 गुना पूंजी सब्सिडी शामिल है।

इंदौर पुलिस का कारनामा, एसआई के हमलावरों के हाथ में बांधा नकली पट्टा, मेडिकल जांच में निकले फिट

इंदौर। इंदौर में एसआई टी. इक्का के हमलावरों ने पुलिस की पोल खोल दी। अफसरों की सख्ती की बात झूठ निकली। जिन आरोपितों के हाथ में पट्टा बांधा, वे तंदुरुस्त निकले। अब अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने जांच बैठा दी है।

हमलावरों का टीआई सियारामसिंह गुर्जर ने जुलूस निकाला था। बाणगंगा थाना अंतर्गत भौंरासला पुलिस चौकी पर पदस्थ एसआई टी. इक्का पर विकास डाबी, अरविंद, रवि और विकास ने 5 फरवरी को हमला कर दिया था। शराब के नशे में धुत आरोपितों ने एसआई को नकली पुलिस बताया और वसूली का आरोप लगाते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने विकास और रवि को पकड़कर जुलूस निकाला और दावा किया कि आरोपित पुलिस को चकमा देने के चक्कर में घायल हो गए। आरोपितों के हाथ-पैर में पट्टा चढ़ा था और दोनों लंगड़ाते हुए चल रहे थे, लेकिन सेंट्रल जेल पहुंचे तो मेडिकल जांच में स्वस्थ निकले। अफसरों ने बताया न उनके हाथ में पट्टा है, न चोट के निशान।

प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने इंदौर संभाग में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की

इंदौर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि ने इंदौर संभाग में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि मिशन के अंतर्गत हर घर में नल से जल पहुंचाने संबंधी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाये, जिससे की इसका लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों को मिले और पेयजल आपूर्ति सुगम बने।

बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह सहित इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह तथा इंदौर संभाग के सभी जिलों धार, झाबुआ, आलीराजपुर, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर और बड़वानी के कलेक्टर वीडियो कान्फ्रेंस से शामिल हुए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि ने जल जीवन मिशन की संभाग के जिलेवार प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी नागरिकों को नल से गुणवत्तायुक्त शुद्ध और पर्याप्त जल मिले यह सुनिश्चित किया जाये। कोई भी ग्राम पंचायत प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन योजना से वंचित नहीं रहे। इसके लिए सभी कलेक्टरों एवं अन्य अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन योजना के लक्ष्यों को हम समय सीमा में प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि संभाग में विभिन्न जिलों में जल जीवन मिशन के तहत एकल एवं समूह योजना के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा किया जाए। ग्राम पंचायतों को नल जल योजना हैंडओव्हर की प्रक्रिया में समुदाय एवं जनप्रतिनिधिगण की भागीदारी सुनिश्चित हो। रेस्टोरेशन के कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ किये जाए। फील्ड ऑफिसर्स, ठेकेदारों आदि से गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में कराये जाए।

प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने सभी कलेक्टरों एवं अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन योजना के क्रियान्वयन में राज्य शासन की महती भागीदारी है, इसलिए इस मिशन में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के क्रियान्वयन में मैदानी स्तर पर किसी भी तरह की कोताही, लेटलतीफी और कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत एकल योजनाओं के संचालन, रख-रखाव और नियमित मॉनिटरिंग के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिये।

पद्मश्री से सम्मानित मालवा के कबीर लोकगीत गायक भैरूसिंह चौहान का सार्वजनिक सम्मान 26 फरवरी को

इंदौर। श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट के तत्वाधान में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के शहीदी दिवस के अवसर पर मालवा कबीर लोकगीत गायक श्री भैरवसिंह चौहान को पद्मश्री मिलने पर उनका नागरिक अभिनंदन बुधवार, 26 फरवरी 2025 को प्रात: 10 बजे, बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर स्कूल परिसर में किया जाएगा।

उक्त जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल, समाजसेवी मदन परमालिया ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि मालवा की माटी के सपूत को पद्मश्री मिलने पर यह आयोजन रखा गया है। इसमें कई कबीर गायकी के कलाकार अपनी प्रस्तुति भी देंगे।

एक नाम भैरूसिंह चौहान का भी है, जो इंदौर जिले की महू तहसील के गांव बजरंगपुरा के निवासी हैं और समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ अंधविश्वास की चुनौती से निपटाना भी जरूरी है। इसके लिए आवश्यक है कि अध्यात्म के उस मार्ग पर चला जाए, जो आडंबर से परे हो। इसमें संतों की शिक्षा काफी उपयोगी साबित हो सकती है। इन्हीं संतों में से एक नाम कबीर का भी है, जिन्होंने अपने दोहे से समाज के उस हिस्से पर चोट की जो आडंबर और छल से भर हुआ है। उन्होंने अपने संदेशों के माध्यम से समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया। आज के दौर में कई लोक कलाकार कबीर के इन्हीं संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

चौहान निर्गुण लोक कबीर गाते हैं। उन्हें इसी वर्ष पद्मश्री से भी अलंकृत किया गया है।

इंदौर के बुजुर्ग भी दिखा सकेंगे अपनी आवाज का दम

इंदौर में अनूठा आयोजन होने जा रहा है। संगीत पसंद करने वाले बुजुर्गों को अपनी गायकी का हुनर दिखाने मंच प्रदान किया जा रहा है। इसमें 60 साल से ज्यादा के बुजुर्ग हिस्सा ले सकेंगे। संगीत के प्रति लगाव लगभग हर इंसान में होता है। यह वह कला है जो न उम्र देखती है, न सीमा। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि जिनके पास सुरों की अनमोल प्रतिभा होती है, उनमें से कई लोगों को अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए सही मंच नहीं मिल पाता। खासकर हमारे वरिष्ठ नागरिक, जिनके अनुभव और सुरों में एक अलग गहराई होती है, अक्सर अपनी इस प्रतिभा को दबाए रखते हैं। इस कमी को दूर करने और वरिष्ठ नागरिकों की संगीत प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर, इंदौर की अनूठी गायन प्रतियोगिता वॉइस ऑफ सीनियर्स-7 इस वर्ष फिर से सुरों की गूंज को हर दिल तक पहुंचाने का काम करेगी। संस्था अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुष और महिला दोनों भाग ले सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि इस आयोजन के लिए आवेदन इस बार पूरे भारतवर्ष से आमंत्रित किए जा रहे हैं। पिछले वर्ष इस प्रतियोगिता में लगभग 300 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया था, और इस बार इसका दायरा और भी बड़ा होने की उम्मीद है।

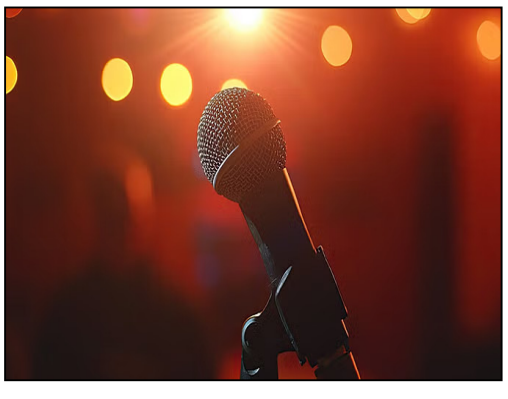

प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 12 फरवरी से शुरू हो रही है, जिसकी अंतिम तारीख 20 फरवरी रखी गई है। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। वॉट्सएप के जरिए 7805985935 पर भी ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है। ऑफलाइन फॉर्म्स आनंदम के ऑफिस स्कीम नंबर 78 से प्राप्त किए जा सकते हैं। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार भी तय किए गए हैं। प्रथम विजेता को 51,000 रुपए और द्वितीय विजेता को 21,000 रुपए के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

कुख्यात बदमाश सलमान लाला कों दुबई मे 2 करोड़ का हवाला राशि दिलवाने वाले सहयोगी कों किया गिरफ्तार

दुबई की प्रॉपर्टी खरीदी में दोस्ती के जरिए मंदसौर के प्रमोद ककनानी ने किया था सहयोग

उज्जैन । अपराधों की लंबी फेहरिस्त मे जिस बदमाश सलमान लाला का नाम शामिल है उसके गिरफ्तारी और उसे जेल भेजने के बाद मंडी पुलिस ने रविवार को मंदसौर के उसके एक हवाला सहयोगी को गिरफ्तार किया है। प्रमोद ककनानी नामक उक्त सहयोगी ने दुबई में 5 करोड़ की प्रॉपर्टी खरीदने के बाद सलमान लाला को दोस्त के जरिए 2 करोड रुपए की हवाला राशि देने की बात स्वीकार की है, प्रमोद के पास से पुलिस ने प्रॉपर्टी के महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जप्त किए हैं द्य इस मामले में और भी कई बड़े खुलासे होने की पुलिस को उम्मीद है।

मामले की विस्तार से जानकारी देते हुए नगर पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव, मंडी थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी ने बताया कि गंभीर अपराध के आरोपियों की धर पड़ हेतु पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में लगातार अभियान चलाया जा रहा है इसी तारतामय में क्षेत्र के कुख्यात बदमाश सलमान लाला द्वारा गिरफ्तारी के दौरान फरारी काटने के समय जावरा मंदसौर देवलजी राजस्थान के लोगों द्वारा आर्थिक मदद करने की बात स्वीकार की गई थी।

उसके साथ ही दुबई में फरारी के दौरान प्रॉपर्टी खरीदने की बात भी की गई थी जिसके संबंध में पुलिस द्वारा लगातार खोजबीन की जा रही थी, इसी संबंध में मूखबीर से पुलिस को सूचना मिलने पर रविवार सुबह भद्रकाली मंदिर बायपास एवं राजस्थानी चौराहा पर आरोपी की धरपकड़ हेतु टीम गठित की गई थी इसके बाद भद्रकाली मंदिर के समीप मंदसौर निवासी प्रमोद ककनानी को गिरफ्तार किया गया ।

प्रमोद ककनानी ने फरारी के दौरान कुख्यात बदमाश सलमान लाला को दुबई में 5 करोड़ से अधिक की प्रॉपर्टी खरीदने पर उसके दोस्त शाहरुख खान जो राजस्थान के देवल जी का रहने वाला है के द्वारा दिए गए 2 करोड रुपए हवाला के माध्यम से पहुंचना स्वीकार किया।

आरोपी से पूछताछ मे मोबाइल में व्हाट्सएप में पीआरएमडी जी ग्रुप में 10 का आधा नोट वह 1 का पूरा नोट तथा ग्रुप मेंबर्स के बीच हवाला रूपों से संबंधित विभिन्न नंबर तथा ग्रुप पीटी में कोडिंग शब्दावली में चैटिंग होना पाई गई।

शिप्रा शुध्द नहीं हुई तो शिवसेना उतरेगी सड़कों पर

उज्जैन। मां शिप्रा की हालत दयनीय है, गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। शिवसेना द्वारा 9 जनवरी को कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा था लेकिन शासन प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है, आज भी शिप्रा की हालत जैसी की तैसी है। यदि हालात जल्द नहीं सुधरे तो शिव सेना मध्यप्रदेश अब सड़कों पर उतरेगी, बड़ा आंदोलन करेंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन, प्रशासन की रहेगी।

उक्त चेतावनी मध्यप्रदेश कार्यकारी प्रमुख आईटी सेल नाहरसिंह गौड़ ने उज्जैन में अल्पप्रवास के दौरान कही। जिला प्रमुख पं. चरित्र शर्मा ने बताया कि श्री गौड़ 16 फरवरी को उज्जैन अल्पप्रवास पर आए तथा 2028 में होने वाले सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए उज्जैन नगर और शिप्रा के घाटों का दौरा किया। पं. चरित्र शर्मा ने कहा कि 2028 में कुंभ मेला आने वाला है, प्रयागराज में कई व्यवस्थाएं होने के बावजूद व्यवस्था बिगड़ गई तो उज्जैन में तो कोई व्यवस्था ही नहीं दिख रही। मार्गों पर अतिक्रमण हो रहा है, गोपाल मंदिर, महाकाल, रामघाट, सब्जी मंडी जहां चौड़ीकरण होना चाहिये वहां ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नाहरसिंह गौड़ ने कहा कि जल्द से जल्द शिप्रा का शुध्दिकरण, शहर अतिक्रमण से मुक्त हो, राहगिरों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शिवसेना की मांगों का यदि निराकरण नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन करेंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी। इस दौरान बड़नगर तहसील प्रमुख संतोषजी, उज्जैन जिला कार्यकारी अर्जुन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष लखन चौहान, सचिव विशाल सोनी आदि मौजूद रहे।

शीतकालीन बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर सत्र का समापन

उज्जैन। शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय के बास्केटबॉल ग्राउंड पर आयोजित शीतकालीन बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर सत्र का समापन किया गया। बास्केटबॉल के वरिष्ठ विजय बाली व ओम सारवान ने बताया कि उक्त शिविर के माध्यम से सम्मिलित खिलाड़ी कई नई खेल तकनीकियों से अवगत हुए। इस अवसर पर कर्म सेवा धर्म सेवा संस्था के अध्यक्ष व प्रशिक्षक दर्शन ठाकुर ने खिलाड़ियों के बेहतर फिटनेस के लिए आधुनिक उपकरण भी प्रदान किए गए।

डॉ. विनीता सहाय ने अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम के सेवा प्रकल्पों का अवलोकन कर सेवा कार्य को अद्भुत बताया

उज्जैन। मानव सेवातीर्थ अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में उज्जैन प्रवास के दौरान डॉ. विनीता सहाय निदेशक- भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बोध गया ने आश्रम में हो रही सेवा कार्यों का अवलोकन कर बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात कर यहां निवासरत 1100 से अधिक पारिवारिक सदस्यों की सेवा को अद्भूत बताया। डॉ. विनीता ने कहा कि अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में अद्भूत कार्य देखने को मिला एवं जीवन की विविध शैलियाँ देखने को मिली।

मानव सेवा ही माधव सेवा है और यहा आकर प्रेरणा मिलती है कि यह भी एक जीवन है, बच्चों के लिए बहुत ही अच्छा प्रेरणा दायक है कि हम छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर दुखी रहते है और जब वह यहाँ आकर बच्चों को देखेंगे तो उन्हें जीवन की विविध एवं नई शैली देखने को मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. सहाय के भाई आशीष पाण्डे प्रोफेसर इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुम्बई ने भी कहा कि अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम सेवा का अद्भूत प्रबंधन का कार्य कर रहा है। स्वच्छता के साथ साथ कभी नही भूलने वाला मानव सेवा का कार्य हो रहा है। आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल, मोनिका दीदी ने आश्रम परम्परानुसार मंगल तिलक, दुपट्टा एवं मालवी पगड़ी से सम्मान कर विशेष बच्चों द्वारा बनाई गई हस्तशिल्प भेंट की।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण एवं शैक्षिक शोध केन्द्र, उज्जैन में डिजिटल स्टूडियों का हुआ शुभांरभ

शिक्षा जगत में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा दे रहा है, सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण केन्द्र - अखिलेश मिश्रा

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य प्रषिक्षण एवं शैक्षिक शोध संस्थान, चिन्तामन गणेश मार्ग, उज्जैन में शैक्षणिक प्रयोजन के लिए इन्फ्रोसिस फाउंडेशन के विशेष सहयोग से डिजिटल स्टूडियो की स्थापना की गई है। जिसका शुभांरभ आज मुख्य अतिथि माननीय श्री अखिलेश जी मिश्रा, क्षेत्रिय सह संगठन मंत्री, विद्या भारती मध्य क्षेत्र, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विशाल टांकले, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा, संभाग उज्जैन ने की द्य विशेष अतिथि के रूप में माननीय श्री शुवंकर कर जी, इन्फोसिस के सेल्स एवं ष्ट्स्क्र हेड थे।

कार्यक्रम की शुरूआत मॉ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रजवलन कर की गईद्य उसके पश्चात डिजिटल स्टूडियो का शुभांरभ कर संचालन शुरू किया गया। स्टूडियो

की विशेषता प्रभारी श्री रशेष राठौर जी ने बताते हुए कहा कि उक्त स्टूडियो में रिकॉर्डिंग और संपादन की सुविधा, वीडियो, पॉडकास्ट, और इंटरैक्टिव अनुभव बनाने के लिए उपकरण उपलब्ध है द्य इसके साथ ही डेटा विजुअलाइजेशन के लिए उपकरण, कैमरे, प्रकाश उपकरण, और ध्वनि प्रणाली, संपादन सॉफ्टवेयर आदि के साथ टेलीप्रॉम्प्टर भी उपलब्ध है।

डिजिटल स्टूडियो की मदद से शिक्षक एवं विद्यार्थी अपना प्रस्तुतिकरण दे सकते हैं तथा उसी समय रिकॉर्डिंग भी कर सकते हैं, वीडियो बना सकते हैं साथ ही साथियों और व्याख्याताओं से फीडबैक ले सकते हैं द्य अपने शोध और विचारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित कर सकते हैं द्य डिजिटल स्टूडियो की मदद से यहां वीडियो, ऑडियो, पॉडकास्ट, और इंटरैक्टिव मीडिया जैसी डिजिटल सामग्री बना सकते है। कार्यक्रम में अपना उदबोधन देते हुए मुख्य अतिथि श्री अखिलेश जी ने कहा कि यह स्टूडियों शिक्षा जगत में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करेगा। सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण एवं शैक्षिक शोध संस्थान विगत तीन वर्षों से हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विद्या भारती के शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अपने कार्य से सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रहे है। इन्फोसिस के सेल्स हेड श्री शुवंकर जी कर ने कहा कि शिक्षा जगत में विद्या भारती का कार्य दूर दूर तक फैल चुका है। इस डिजिटल स्टूडियों के शुरू होने के साथ ही वनवासी क्षेत्र कि शिक्षा में इसका सर्वोत्तम उपयोग होगा। आपने कहा कि हम विद्या भारती के साथ जुडकर कार्य करना चाहते है।

सुन्दर यह जीवन हुआ हर दिन बढ़े विकार–विनोद काबरा

उज्जैन। उज्जैन की प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय साहित्यिक संस्था ग़ज़लांजलि की काव्य-गोष्ठी डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। एफ एम रेडिओ के स्टूडियो में हुई इस काव्य-गोष्ठी में सर्वप्रथम सामूहिक सरस्वती वन्दना की गई। परम्परानुसार संस्था के संस्थापक जगदीशचंद्र पण्ड्या की ग़ज़ल का वाचन शायर आरिफ़ अफ़ज़ल द्वारा किया गया। आशीष श्रीवास्तव अश्क ने प्रथम ग़ज़ल पाठ किया प्यार के कुछ बोल पंछी पास मेरे गा गए, मैंने बिखराए थे दाने छत पे वो खाने के बाद...। वहीं अवधेश वर्मा नीर ने स्वर कोकिला सरोजिनी नायडू के जीवन पर आधारित रचना का पाठ किया। विनोद काबरा जो आध्यात्मिक विषयों पर रचना करते हैं, उन्होंने कविता सुन्दर यह जीवन हुआ, हर दिन बढ़े विकार, लोभ मोह मद अहंकार में नित लेते हैं आकार... पढ़ी। प्रफुल्ल शुक्ला सरकार ने अपने मुक्तकों से समा बनाया डोर को ढीली रखता हूँ, सब डाइजेस्ट करता हूँ, मन से मैंने सीखा था, सबसे अड़जेस्ट करता हूँ...।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com